

## घोषणा - पत्र

मैं घोषणा करता हूँ कि "उत्तर भारत का गुप्तकालीन सामाजिक इतिहास" डॉ. सन्तोष कुमार वाजपेयी जी के मार्गदर्शन में किया गया मेरा मौलिक शोध कार्य है।

दिनांक - 21-2-18

शोधकर्ता  
मनोज कुमार सक्सेना

मनोज कुमार सक्सेना

एम. ए.

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,

सागर (म. प्र.)

गुप्तवंश के शासकों ने उत्तर भारत के एक बड़े भाग पर तीव्ररी शताब्दी ई. के अन्त में लेकर उठी शताब्दी ई. के मध्य तक शासन किया था। चौथी शताब्दी ई. से इस महान साम्राज्य का उत्तरीय विकास हुआ। साइबेरिया और सायबेय की उत्पत्त विचारधारा के कारण इस युग में उत्तरीय उपलब्धियाँ अधिक की थी पूर्ववर्ती युगों में साम्राज्य न हो तबही समुद्रयुक्त, रामसुत, अश्वयुक्त विक्रमार्थिक, कुम्हारयुक्त इत्यादि।

**प्रमाण - पत्र**

उत्तर भारत के प्रतापी समाट हुए। उनकी उत्पत्तियाँ में देश में चौथे समय तक पुनः शक्ति को अनुभव किया। उनके समय में साम्राज्य में अत्यन्त प्रगति हुई। यह प्रगति सांस्कृतिक अतिरिक्त, विज्ञान, साहित्य, मुद्रिकला, स्थापत्य कला तथा अन्य अतिरिक्त कलाओं में प्रकटित होता है। निम्नलिखित गुप्तयुगीन साम्राज्य के सामाजिक इतिहास पर शोध-कार्य में तैयार किया है। यह इनका मौलिक कार्य है।

दिनांक - 21-2-18

*सन्तोष कुमार वाजपेयी*  
निर्देशक

**डॉ. सन्तोष कुमार वाजपेयी**  
ब्याख्याता  
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं  
पुरातत्व विभाग,  
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,  
सागर (म. प्र.)